उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, दिल्ली व उत्तरान्चल में भी उपलब्ध RNI NO.2004/14052

वर्ष : 5 अंक 9 मूल्य : 20 रूपये फरवरी 2009

यूथ कैम्पस

मासिक पत्रिका

ब्रज चौरासी कोस को सजाने व सँवारने में जुटी "श्री वृन्दावनी फाउन्डेशन"

श्रीवृन्दावानी फाउन्डेशन के अध्यक्ष व संस्थापाक श्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि ब्रज में 1300 से अधिक गाँव हैं जिनमें भगवान की दिव्य लीलाएं हुई हैं वृन्दावन तो एक गाँव है। पर ब्रज के हर गाँव का नाम किसी न किसी लीला से जुड़ा है। अतः ब्रज के हर गाँव को सजाना और सँवारना है ताकि हम और हमारी भावी पीढ़ियां श्री ब्रज धाम के अदभुत सौंदर्य का दर्शन करके अपने जीवन को लाभान्वित करें। फान्डेशन का लक्ष्य ब्रज के सभी कुण्डों एवं मंदिर के जीर्णोधारा की योजना है। उन्होंने कहा कि श्री राधा कृष्ण की अनेक रासलीलाओं के साक्षी ब्रज के 137 प्रमुख वनों से मात्र 3 वन अपने प्राकृतिक स्वरूप में बचे हैं। शेष में धूल एवं कूड़े के ढ़ेर पड़े हैं और वृक्षों का नाम भी नहीं हैं फाउन्डेशन यथासंभव इन सभी वनों को फिर से हरा भरा बनाने के प्रयास में जुटी हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार से माँग की कि ब्रज को अन्तराष्ट्रीय स्तर की सांस्कृति धरोहर वाला क्षेत्र घोषित किया जाए। भारत ही नहीं विश्व के कोने कोने से भगवान श्री राधा कृष्ण के भक्त उनकी लीलास्थलियों के दर्शन करने नित्य ब्रज प्रदेश आते हैं। यहां उन्हें दर्शन देते हैं: साक्षात गिरिराज जी, यमुना माई अनेक देवालयों में विराजी युगल जोडी व महान संतों की भजन स्थलियां। परन्तु भक्त जन ब्रज की दुर्दशा देखकर रो देते हैं। फांउन्डेशन का लक्ष्य है भगवान श्री कृष्ण की लीलास्थलियों का जीर्णोधार करना, उन्हें सजाना व सँवारना।

फांउन्डेशन के उपाध्यक्ष श्री धनंजय कुमार ने कहा कि श्री तेज प्रताप यादव के नेतृत्व में फांउन्डेशन ब्रज के चहुमुखी विकास के लिए कृत संकल्प है। श्री वृन्दावानी फांउन्डेशन ब्रज में भगवान की लीलाओं से जुड़े 1000 सरावरों, 48 वनों सभी पर्वतों, यमुना जी के घाटों धरोहरों के संरक्षण और जीर्णोधारा के पावन उद्देश्यों को लेकर ब्रजवासियों और सभी संप्रदायों के कृष्ण भक्तों का गैर राजनैतिक स्वयंसेवी संगठन है।